तेरे दर को में छोड कहा जाओ

तेरे दर को में,तेरे दर को में माँ,
तेरे दर को में छोड कहा जाओ माँ,
दूजा कोई द्वार न दिखे,
अपना में दुखडा किस्से जा के सुनाओ ॥
माँ दूजा कोई द्वार न दिखे
तेरे दर को में छोड कहा जाओ माँ,
दूजा कोई द्वार न दिखे,

इक आश मुझे तुमसे है मैया ॥
टूटे कही न विश्वास मेरा मैया ॥
इक आश मुझे तुमसे है मैया॥
टूटे कही न विश्वास मेरा मैया
तेरे सिवा कहा माँ में झोली कहा फेहलू,
माँ दूजा कोई द्वार न दिखे.....

तेरे आगे मैने दमन पसरा है॥
मुझको ये मैया तेरा ही सहारा है॥
तेरे आगे मैने दमन पसरा है
मुझको ये मैया तेरा ही सहारा है
कहा जाओ जहा जाके कुछ पाउ
माँ दूजा कोई द्वार न दिखे.....

लक्खा आया मैया बन के सवाली है॥
तेरे दर से गया न कोई ख़ाली है॥
लक्खा आया मैया बन के सवाली है,
सवाली है सवाली है सवाली है,
लक्खा आया मैया बन के सवाली है,
तेरे दर से गया न कोई ख़ाली है,
कैसे गीत में निराश होंगे जाओ माँ,
दूजा कोई द्वार न दिखे,
तेरे दर को में छोड़े कहा जाओ माँ,
दूजा कोई द्वार न दिखे.....

स्वर : लखबीर सिंह लक्खा

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/2908/title/tere-dar-ko-main-chhod-kaha-jaau-maa-duja-koi-dawar-na-dikhe

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |